



مبطلات الصيام

रोज़ा भंजक चीज़ें

हिंदी باللغة الهندية

الشيخ الدكتور هيثم بن محمد جميل سرحان

हिंदी अनुवाद: साबिर हुसैन पुत्र मुहम्मद मुजीबुर रहमान

रोज़ा कहते हैं : सर्वशक्तिमान अल्लाह की इबादत व पूजा की खातिर फजर -ए- सादिक़ अर्थात भोर से ले कर सूर्यास्त तक भोजन, पेय तथा संभोग से दूर रहने को।

मुसलमान के लिए यह अनिवार्य है कि वह अपने रोज़े को रोज़ा तोड़ने वाली चीज़ों से सुरक्षित रखे, जो इस प्रकार हैं:

-खाना, पीना, तथा जो इनके अर्थ में हों, जो शरीर को पोषण देता है – और शक्तिवर्धक सुइयां- रक्त चढ़ाना एवं रक्त का आधान करना अर्थात बलड ट्रेंसफ़्यूजन करना यानी नया खून चढ़ाना।

- संभोग करना, तथा पत्नी के शरीर से लिपट कर अथवा हस्तमैथुन के द्वारा वीर्य स्खलित करना।

* जहाँ तक स्वप्नदोष की बात है तो सभी उलमा व बुद्धिजीवी इस बात पर एकमत हैं कि इससे रोज़ा नहीं टूटता है, इसी प्रकार से सबसे सही राय के अनुसार मज़िय (Uzi) से भी रोज़ा नहीं टूटता है।

- जानबूझकर उलटी करना, किंतु यदि अपने आप उलटी हो जाये तो उसका रोज़ा अर्थात: उपवास सही तथा वैध है।

नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इस फ़रमान के कारण: “जिसे उलटी आ जाये तो उस पर (रोज़ा की) क़ज़ा नहीं, परंतु जो जान बूझ कर उलटी करे वह रोज़ा की क़ज़ा अर्थात बाद में इस की भरपाई करे”।

- हज़ामा अर्थात कपिंग अर्थात सींगी लगाना तथा इसी के समान है रक्तदान करना, और जिसे दिन में रक्तदान करने की आवश्यकता पड़ जाये वह रोज़ा तोड़ ले तथा इस के बदले में बाद में रोज़ा रख ले।

सर्वसम्मति से रोज़ा अर्थात उपवास को अमान्य करने वाली चीज़ों में से हैं:

दिन के किसी भी भाग में माहवारी अथवा प्रसवोत्तर रक्तस्राव का होना, भले ही यह रक्तस्राव सूर्यास्त से एक मिनट पहले ही क्यों न हो।

जो हुक्म से अनभिज्ञ होकर, भूलकर या दबाव में आकर रोज़ा तोड़ने वाले कार्य अंजाम देता है, तो उसका रोज़ा वैध है।

मासिक धर्म तथा प्रसवोत्तर रक्तस्राव को छोड़कर, क्योंकि इससे हर हाल में रोज़ा टूट जाता है।

रोज़ा के कुछ फ़र्ज अर्थात अनिवार्य कार्य इस की सीमाएं हैं जिनकी सुरक्षा करना वाजिब व अपरिहार्य है।

सर्वशक्तिमान अल्लाह रोज़ा वाली आयतों के अंत में फ़रमाता है:

﴿تِلْكَ حُدُودُ اللَّهِ فَلَا تَقْرُبُوهَا كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ ءَايَاتِهِ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ

يَتَّقُونَ﴾ [سورة البقرة: ١٨٧]

(यह अल्लाह की सीमाएं हैं, इन के समीप भी न जाओं, इसी प्रकार से अल्लाह लोगों के लिए अपनी आयतों को उजागर करता है, ताकि वो (उन के उल्लंघन से) बचें)।